बालमन

Powered by Teachers of Bihar

Kamlesh Kumar +91 8540812308 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

www.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

सम्पादकीय ✍️

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

उम्मीद है आप सकुशल और स्वस्थ होंगे।बच्चों इस माह का प्रारंभ ही हम सभी ने दो महान विभूतियों का जन्मदिन मना कर किया है - भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शांति के अग्रदूत लाल बहादुर शास्त्री जी का ।उनके जन्मदिन के पावन अवसर पर हमने देश सेवा का संकल्प लिया और वतन के सुख समृद्धि और सम्मान हेतु अपना सर्वस्व समर्पित करने की कसमें भी खाई ।

बच्चों इस माह की समाप्ति विजयदशमी को बुराई का प्रतीक रावण दहन की प्रथा के साथ होगा। जो हमें यह बताता है कि किसी भी तरह की बुराई क्यों ना हो उसका दुखद अंत तय है । अतः हमें सच्चाई , ईमानदारी और लोक कल्याण के मार्ग पर चलना होगा क्योंकि यही मानवता का मार्ग है।

बच्चों आपके हाथ में कुदरा बालमन पत्रिका का यह छठा अंक है । पत्रिका का यह अंक आपको कैसा लगा , हमें अवश्य बताइएगा । पत्रिका को आकर्षक, समृद्ध और उपयोगी बनाने हेतु आपके सुझाव सदैव आमंत्रित है।

कमलेश कुमार

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपर,

प्रखंड कुदरा ,जिला कैमूर।

परामर्शदाता समूह

1.आदरणीय रवीन्द्र प्रसाद सिंह, प्रधानाध्यापक,
उत्क्र0म0वि0भैसौला,मो0-7484986097.

2.आदरणीय अरुण कुमार त्रिपाठी, प्रधानाध्यापक,
मध्य विद्यालय जहानाबाद,मो0- 9570283962.

3.आदरणीय राम प्रकाश साह, वरिष्ठ शिक्षक,
मध्य विद्यालय फाखराबाद ,मो0-8539039508.

संपादक मंडल

1.श्री मो0 जाफ़र खां , उत्क्र0म0वि0पचपोखरी, मो0-9955954646,
2.श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, मध्य विद्यालय सिसवार मो0-8210366770
3.श्री राजेश कुमार सिंह, उत्क्र म0विद्यालय0 घटांव, मो0-7488321451.
4.श्री कुमार अनिल सिंह,क0उत्क्र0उ0मा0वि0 जहानाबाद मो०-9934411631
5. श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, उत्क्र0 म0 वि0 वैना,मो0 - 9471680877
6. श्री चंद्रदेव विश्वकर्मा, उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 रमडिहरा, मो0-7903587066
7. श्री सैयद जाबिर हुसैन न्यू प्रा0 विद्यालय बहुआरा, मो0- 7250581901
8.श्री संतोष कुमार गुप्ता, उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 खरहना,मो0-9973486681
9.श्री अमित कुमार ,न्यू प्रा0 विद्यालय असरवलिया,मो0-9123141443
10. श्री सिकेन्द्र कुमार सुमन ,न्यू प्रा0 विद्यालय तरहनी,मो0-9939207572

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

बालमन कुदरा, विषय-सूची

1.अनमोल विचार
2.बिहार राज्य प्रार्थना एवं बिहार राज्य गीत
3. टीचर्स ऑफ बिहार गीत
4. बालमन प्रेरक प्रसंग
5. अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस
6. रोचक तथ्य
7. अंतर खोजो
8. आओ सीखें
9. कविता- भगदड़
10. कहानी -दोष नहीं, अच्छाईयां खोजें
11. फोटो विशेष
12. जिला कला महोत्सव 2023
13. दूर्गा पूजा विशेष
14. स्वास्थ्य सुझाव
15. अजब-गजब , थोड़ा मुस्कुरा भी दो....
16. कहानी - आशा से आसमान
17. धन
18. जयंती और दिवस विशेष
19. पेन और पेंसिल आर्ट
20. आपकी बात
21.बूझो तो जानें
22. दिवस विशेष और दिवस ज्ञान
23. बालमन क्वीज
24. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
25. PICTURE OF THE MONTH
26.बालमन दर्शनीय स्थल
27. गांधी और शास्त्री जयंती
28.02 अक्टूबर 2023
29. क्रमित मध्य विद्यालय भैसला में बाला पेंटिंग
30. रोचक गणित
31. बालमन कविता
32. बालमन कविता
33. Crossword Puzzle
34.खेल कॉनर
35.बालमन कहानी
36. विज्ञान कॉनर
37. बालमन बिहार
38. 31 OCTOBER
39. शिक्षा शब्दकोश
40. एजुकेशनल न्यूज
41. धन्यवाद ज्ञापन

बालमन कुदरा , कैमूर

अनमोल विचार

दुनिया की हर चीज़ ठोकर लगने से टूट जाती है

एक कामयाबी ही है जो ठोकर लगने से मिलती है।

पंकज त्रिपाठी

राकेश कुमार

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

• सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

अक्टूबर 2023

ज्ञान की चार बात

एक राजा के महल में एक सुंदर वाटिका थी, जिसमें अंगूरों की एक बेल लगी थी। वहां रोज एक चिड़िया आती और मीठे अंगूर चुन-चुनकर खा जाती और अधपके और खट्टे अंगूरों को नीचे गिरा देती।

माली ने चिड़िया को पकड़ने की बहुत कोशिश की पर वह हाथ नहीं आई। हताश होकर एक दिन माली ने राजा को यह बात बताई। यह सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। उसने चिड़िया को सबक सिखाने की ठान ली और वाटिका में छिपकर बैठ गया।

जब चिड़िया अंगूर खाने आई तो राजा ने तेजी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। जब राजा चिड़िया को मारने लगा, तो चिड़िया ने कहा, हे राजन, मुझे मत मारो। मैं आपको ज्ञान की 4 महत्वपूर्ण बातें बताऊंगी।'

राजा ने कहा, 'जल्दी बता।'

चिड़िया बोली, 'हे राजन, सबसे पहले, तो हाथ में आए शत्रु को कभी मत छोड़ो।'

राजा ने कहा, 'दूसरी बात बता।'

चिड़िया ने कहा, असंभव बात पर भूलकर भी विश्वास मत करो और तीसरी बात यह है कि बीती बातों पर कभी पश्चाताप मत करो।'

राजा ने कहा, अब चौथी बात भी जल्दी बता दो।'

इस पर चिड़िया बोली, 'चौथी बात बड़ी गूढ़ और रहस्यमयी है। मुझे जरा ढीला छोड़ दें क्योंकि मेरा दम घुट रहा है। कुछ सांस लेकर ही बता सकूंगी।'

चिड़िया की बात सुन जैसे ही राजा ने अपना हाथ ढीला किया, चिड़िया उड़कर एक डाल पर बैठ गई और बोली, ' मेरे पेट में दो हीरे हैं।'

यह सुनकर राजा पश्चाताप में डूब गया। राजा की हालत देख चिड़िया बोली, 'हे राजन, ज्ञान की बात सुनने और पढ़ने से कुछ लाभ नहीं होता, उस पर अमल करने से होता है। आपने मेरी बात नहीं मानी।

मैं आपकी शत्रु थी, फिर भी आपने पकड़कर मुझे छोड़ दिया।

मैंने यह असंभव बात कही कि मेरे पेट में दो हीरे हैं फिर भी आपने उस पर भरोसा कर लिया। आपके हाथ में वे काल्पनिक हीरे नहीं आए, तो आप पछताने लगे।

सोशल मीडिया से

17 अक्टूबर

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस

तीव्र,सतत और सर्वस्पर्शी विकास ही गरीबी उन्मूलन का कारगर उपाय है। आइए मिलकर गरीबी मिटाने के लिए संकल्पबद्ध हो।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

भारत ने इजरायल से अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन अजय (Operation Ajay) की शुरुवात की है। इस ऑपरेशन के तहत जंग के दौरान वहां फंसे सभी भारतीयों को सुरक्षित अपने देश वापस लाया जाएगा।

1 मिनट में 5 अंतर खोजे

आप तैयार है न.....

Teachers of Bihar

आओं सीखें

माननीय

माननीय शब्द का प्रयोग ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता है।जिसका मन से सम्मान,आदर किया जाए। ऐसा व्यक्ति जिसने सम्मान के लिए अपने को सिद्ध किया हो। जो विशेष योग्यता रखता हो, प्रतिष्ठित हो, अपने कार्य क्षेत्र में सफल व सर्वश्रेष्ठ हो।जैसे -

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छः दिनों के विदेश दौरे पर हैं।
- माननीय सभापति ने सदन की कार्यवाही को दो दिनों के लिए स्थगित किया।

महोदय

महोदय शब्द का प्रयोग अधिकतर अपने से बड़ों या सम्मानित व्यक्तियों के लिए सम्मान सूचक शब्द के रूप में किया जाता हैं। उच्च अधिकारियों से पत्राचार में संबोधन के लिए भी महोदय शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।जैसे -

- महोदय/महोदया सविनय निवेदन हैं कि ...।
- अतिथि महोदय का आगमन इस सभा में कुछ ही पलों में होने वाला हैं।

महाशय

जिस प्रकार श्रीमान या Mr का प्रयोग होता हैं उसी तरह महाशय एक आम आदर सूचक शब्द हैं।उच्च आशय रखने वाला दयालु, मददगार व्यक्ति के लिए आम बोलचाल में महाशय शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।जैसे -

- महाशय आपने अपना नाम नहीं बताया।
- इन महाशय ने ही मेरी जान बचायी हैं।

भगदड़

देखो सजा हुआ है मेला,
ठेलम ठेल लोगों का रेला।
चाट,पकौड़ी,बर्फ का ठेला,
रसगुल्ले,बैलून और केला।
देखो सजा .....।।

उसी समय उड़ी अफवाह,
टूट गया बिजली का तार ।
जिसने सुना दौड़ लगाया,
सच ना कोई पता लगाया।
बच्चे,वृद्ध,महिला दिव्यांग,
घायल हो गए बहुत जवान।
अफवाहों के चलते बच्चों,
हो गया कितना बड़ा झमेला।।
देखो सजा .....।।

बच्चों तुम सब है कहना ,
भगदड़ से ऐसे हैं बचना।
अफवाहों पर मत दो ध्यान,
भगदड़ में लो धैर्य से काम।
बच्चे,वृद्ध,महिला,दिव्यांग,
इनको बचाना पहला काम।
भगदड़ में गिर दम घुटने से,
कितनो ने देखो दुख झेला ।।
देखो सजा .....।।

कमलेश कुमार,
उत्क्र० उ० मा० वि० हरदासपुर।

दोष नहीं, अच्छाइयां खोजें

कहानी

किसी गांव में एक किसान को बहुत दूर से पीने के लिए पानी भरकर लाना पड़ता था। उसके पास दो बाल्टियां थीं जिन्हें वह एक डंडे के दोनों सिरों पर बांधकर उनमें तालाब से पानी भरकर लाता था। उन दोनों बाल्टियों में से एक के तले में एक छोटा सा छेद था जबकि दूसरी बाल्टी बहुत अच्छी हालत में थी। तालाब से घर तक के रास्ते में छेद वाली बाल्टी से पानी रिसता रहता था और घर पहुँचते -पहुँचते उसमें आधा पानी ही बचता था। बहुत लंबे अरसे तक ऐसा रोज होता रहा और किसान सिर्फ डेढ़ बाल्टी पानी लेकर ही घर आता रहा। अच्छी बाल्टी को रोज-रोज यह देख खुद पर घमंड हो गया।

छेद वाली बाल्टी अपने जीवन से पूरी तरह निराश हो चुकी थी। एक दिन रास्ते में उसने किसान से कहा,'मैं अच्छी बाल्टी नहीं हूँ। मेरे तले में छेद है। किसान ने छेद वाली बाल्टी से कहा,'क्या तुम देखती हो कि पगडण्डी के जिस ओर तुम चलती हो उस ओर हरियाली है और फूल खिलते है लेकिन दूसरी ओर नहीं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे हमेशा से इसका पता था और मैं तुम्हारे तरफ की पगडंडी पर फूलों के बीज छिड़कता रहता था जिन्हें तुमसे रिसने वाले पानी से सिंचाई लायक नमी मिल जाती थी।यदि तुममें वह बात नहीं होती,जिसे तुम अपना दोष समझती हो तो हमारे आसपास इतनी सुन्दरता नहीं होती।'

कभी-कभी ऐसे दोषों और कमियों से भी हमारे जीवन को सुंदरता और पारितोषिक देने वाले अवसर मिलते है। दूसरों में दोष ढूंढने की बजाय अच्छाइयां खोजें।

सौजन्य से अध्यात्मिक मंच कुदरा

फोटो विशेष

उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 हरदासपुर

प्राथमिक विद्यालय सोनवर्षा

एक नजर इधर भी....

जिला कला महोत्सव 2023

दुर्गा पूजा विशेष

UHS सलथुआ, कुदरा

NPS कझार
घाट, कुदरा

उत्क्र0 उ0 मा0 वि0 खरहना

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

जिम जाने की जगह जॉगिंग पर जाएं

एक्सर्साइज़ करने के लिए जॉगिंग बिना लागत का एक शानदार तरीका है। अपने लोकल जिम की महंगी मेंबरशिप कैंसल करें और इसकी जगह पर ट्रैकिंग करना शुरू करें। यहां तक कि हर रोज सिर्फ 1 घंटे दौड़ने से आपकी हेल्थ में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ सकता है।

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

अक्टूबर 2023

1. खट्टा शहद ब्राजील के जंगलों में पाया जाता है।

2. सऊदी अरब ऐसा देश है, जहां एक भी नदी नहीं है।

3. कटलफिश नामक मछली का खून नीला होता है।

4. नार्थ कोरिया में आप अपनी मर्जी के टीवी चैनल नहीं देख सकते। वहां पर आप वही टीवी चैनल देख सकते है जो सरकार आपको दिखाना चाहे और अगर आप इसका विरोध करते हो तो आपको फांसी तक की सजा भी हो सकती हे।

5.लगभग 200 करोड़ से ज्यादा लोग अपने नियमित आहार में कीड़े मकोड़े खाते है और अपना पेट भरते है।

ToB बालमन

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

अक्टूबर 2023

छोटू : पापा कल हम मालामाल हो जायेंगे।

पापा : वह कैसे बेटा ?

छोटू : कल हमारे गणित वाले सर पैसे को रुपए में बदलना सिखाएंगे !

पिता: बेटा 5 के बाद क्या आता है?

बेटा: 6 और 7 पापा

पिता : शाबाश !मेरा बेटा तो बहुत तेज है ...अच्छा तो 6, 7 के बाद..

बेटा: 8, 9,10

पिता :और उसके बाद?

बेटा: और उसके बाद ग़ुलाम, बेगम और बादशाह!

कहानी

आशा से आसमान

दो राजाओं में युद्ध हुआ।विजयी राजा ने हारे हुए राजा के किले को घेर लिया और उसके सभी विश्वासपात्र अधिकारियों को बंदी बनाकर कारागृह में डाल दिया।उन कैदियों में पराजित राजा का युवा मंत्री और उसकी पत्नी भी थे। दोनों को किले के एक विशेष हिस्से में कैद कर रखा गया था। कैदखाने के दरोगा ने उन्हें आकर समझाया कि हमारे राजा की गुलामी स्वीकार कर लो नहीं तो कैद में ही भूखे-प्यासे तड़प-तड़पकर मर जाओगे। किन्तु स्वाभिमानी मंत्री को गुलामी स्वीकार नहीं थी,इसलिए चुप रहा। दरोगा चला गया। इन दोनों को जिस भवन में रखा गया था,उसमें सौ दरवाजे थे। सभी दरवाजों पर बड़े-बड़े ताले लगे हुए थे। मंत्री की पत्नी का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा था और वह बहुत घबरा गई थी,किन्तु मंत्री शांत था। उसने पत्नी को दिलासा देते हुए कहा-निराश मत हो। गहरे अंधकार में भी रोशनी की एक किरण अवश्य होती है।ऐसा कहकर वह एक-एक दरवाजे को धकेलकर देखने लगा। दरवाजा नहीं खुला। लगभग बीस-पच्चीस दरवाजे देखे,किन्तु कोई भी दरवाजा नहीं खुला।

मंत्री थक गया और उसकी पत्नी की निराशा बढ़ती गई। वह बोली-तुम्हारा दिमाग तो ठीक है? इतने बड़े-बड़े ताले लगे हैं,भला तुम्हारे धक्कों से वे दरवाजे कैसे खुलेंगे? किन्तु मंत्री हताश नहीं हुआ और वह उसी लगन से दरवाजों को धकेलता रहा। उसने निन्यानवें दरवाजे धकेले,किन्तु एक भी नहीं खुला। पत्नी ने चिढ़कर उसे बैठा दिया। किन्तु थोड़ी देर बाद वह पुनः खड़ा हुआ और सौवें दरवाजे को धक्का दिया। धक्का देते ही उसकी चूलें चरमराई। मंत्री को अनुमान हो गया कि यह दरवाजा खुल सकता है। उसने दोगुने उत्साह से दरवाजे को धक्का देना शुरू किया और थोड़ी देर में वह खुल गया। मंत्री ने शांत भाव से जवाब दिया-इसलिए कि जिंदगी में कभी सारे दरवाजे बंद नहीं हुआ करते। उस दरवाजे से निकलकर मंत्री और उसकी पत्नी ने कैद से

अध्यात्मिक मंच कुदरा

धान

एक आदमी ने गुरू नानक से पूछा: मैं इतना गरीब क्यों हूँ? गुरू नानक ने कहा : तुम गरीब हो क्योंकि तुमने देना नहीं सीखा....आदमी ने कहा : परन्तु मेरे पास तो देने के लिए कुछ भी नहीं है। गुरू नानक ने कहा : तुम्हारा चेहरा, एक मुस्कान दे सकता है....तुम्हारा मुँह, किसी की प्रशंसा कर सकता है या दूसरों को सुकून पहुंचाने के लिए दो मीठे बोल बोल सकता है....तुम्हारे हाथ, किसी ज़रूरतमंद की सहायता कर सकते हैं....और तुम कहते हो तुम्हारे पास देने के लिए कुछ भी नहीं....।। आत्मा की गरीबी ही वास्तविक गरीबी है....पाने का हक उसी को है.... जो देना जानता है।

जयंती विशेष 15 अक्टूबर

राकेश कुमा

अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम *(A P J Abdul Kalam)* जन्म: *15* अक्टूबर *1931* मृत्यु: *27* जुलाई *2015* जो मिसाइल मैन और जनता के राष्ट्रपति नाम से भी जाने जाते हैं, भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। वे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जानेमाने वैज्ञानिक और अभियंता (इंजीनियर) के रूप में विख्यात थे। उन्होंने सिखाया जीवन में चाहें जैसे भी परिस्थिति क्यों न हो पर जब आप अपने सपने को पूरा करने की ठान लेते हैं तो उन्हें पूरा करके ही रहते हैं। अब्दुल कलाम मसऊदी के विचार आज भी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

दिवस विशेष

15 अक्टूबर

मधु प्रिया

विश्व हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर

विश्व हाथ धुलाई की शुरुआत 15 अक्टूबर 2008 को होती है। और उसी के बाद 15 अक्टूबर को हर साल विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है।15 अक्टूबर का दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नियुक्त किया गया था। यह दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है और वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है।डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के नेतृत्व वाली सभी के लिए हाथ की स्वच्छता पहल का उद्देश्य रोकथाम के लिए हाथ की स्वच्छता पर डब्ल्यूएचओ की वैश्विक सिफारिशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है। यह गंदगी, बगैर हाथ धोए खाद्य एवं पेय पदार्थों के सेवन से आपके शरीर में जाती हैं, और बीमारियों को जन्म देती हैं। हाथों की धुलाई के प्रति जागरूकता पैदा करने के मकसद से पूरे विश्व में 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 15 से 28 अक्टूबर तक हाथ धुलाई पखवाड़ा मनाया जा रहा है। ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे दुनिया भर के लोगों को हाथ धोने की आदतों में सुधार करने के लिए प्रेरित और संगठित करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय हाथ धोने का प्रचार अभियान है। दिन के दौरान महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हाथ धोना और साबुन से धोना महत्वपूर्ण है। 2008 में पहली बार ग्लोबल हैंडवाशिंग डे मनाया गया। इस दिन का उद्देश्य दुनिया भर के लोगों को बीमारियों और संक्रमणों से बचने के लिए साबुन से हाथ धोने के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस विशेष दिन को मनाने के लिए, 70 देशों में 120 मिलियन से अधिक बच्चों को साबुन से हाथ धोने के लिए प्रोत्साहित किया गया। तब से, आंदोलन ने गति पकड़ी है और सरकारों, स्कूलों, गैर सरकारी संगठनों और निजी फर्मों जैसे विभिन्न हितधारकों से समर्थन प्राप्त किया है।

पेन और पेंसिल आर्ट

अंकित पाल ,म0 वि0 जहानाबाद , कुदरा(कैमूर)

Teachers of Bihar

बालमन

आपकी बात

अपने सरकारी विद्यालयों के इन बच्चों को देखकर, इनके हुनर और प्रतिभा को देखकर मन बहुत ही प्रफुल्लित हो रहा है।

इन बच्चों के भविष्य के निर्माता आपसभी गुरुजनों को सहृदय धन्यवाद है जो हमारे समाज में ऐसे हीरों को तरास रहे हैं।

क़ाबिल होना बड़ी बात नहीं है। बडी़ बात है अपनी काबीलियत को सिद्ध करना। और TOB बालमन के इस मंच से हमारे सरकारी विद्यालयों के होनहार प्रतिभावान बच्चे और उन बच्चों के अभिभावकों एवं उनके शिक्षकों की काबीलियत झलक रही है।

सभी बच्चों को स्नेह आशीष एवं गुरुजनों को अशेष धन्यवाद और शुभकामनाएं हैं।

🙏🏻🙏🏻🙏🏻🙏🏻

विवेक कुमार(प्रभारी प्रधानाध्यापक)
N.P.S. सरियांव, मोहनियां (कैमूर)

मेरा नाम नेहा कुमारी है। मैं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव मे वर्ग 9 की छात्रा हूं।टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के बारे में हमे जानकारी अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक सर और कामिनी मैडम के माध्यम से हुई। हम सभी पहले भी अपनी कला को विद्यालय में शिक्षको और विद्यार्थियों के बीच प्रदर्शित करते रहते थे।जब से बालमन पत्रिका की शुरुआत हुई है अब हमारे प्रतिभा को एक मंच मिल गया है,मानो एक नई उड़ान मिल गई हो।सबसे अच्छी बात तो अब मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के आयोजन से हमारा उत्साह बहुत बढ़ गया है।मैं और मेरे विद्यालय के सभी विद्यार्थी टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा बालमन पत्रिका और प्रधान संपादक महोदय का बहुत बहुत धन्यवाद करती हूं।

नेहा कुमारी (छात्रा)वर्ग 9
UHS कोटा,नुआंव (कैमूर)

बालमन

TOB बूझो तो जानें..

धीरज कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

व्यक्ति विशेष जन्मदिन स्पेशल
अक्टूबर 2023

1

दुनिया जिनको बापू कहती,
अहिंसा के पुजारी थे।
साबरमती के संत भी है कहते,
02 अक्टूबर को जन्मदिन मनाते है।

2

भारत के एक ऐसे लाल,
थे बहादुर करते गंगा पार।
अपने काम से बने महान,
जय जवान,जय किसान

3

चेहरे पर प्यारी मुस्कान,
मिसाईल मैन से भी होती पहचान।
करते थे सबका सम्मान,
ऐसे थे भारत के राष्ट्रपति महान।

4

देश को एकजुट करने वाले सरदार,
जिनको सभी करते है प्यार।
बने देश के प्रथम गृहमंत्री,
जिनकी याद में बनी स्टैचू ऑफ़ यूनिटी

1. महात्मा गांधी 2.लाल बहादुर शास्त्री
3. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
4. सरदार वल्लभ भाई पटेल

दिवस विशेष

10 अक्टूबर

मधु प्रिया

राष्ट्रीय डाक सेवा 10 अक्टूबर

भारतीय डाक
Indian Post

भारतीय डाक की सेवा को राष्ट्रीय डाक दिवस द्वारा सम्मानित किया जाता है, जो हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। भारत में डाक सेवा की व्यवस्था साल 1766 में स्थापित की गई और भारत में पहला डाकघर 1786 में मद्रास में स्थापित किया गया। 1877 में पार्सल सेवा, 1879 में पोस्ट कार्ड, 1880 में मनी आर्डर और 1911 में इलाहाबाद से पहली एयरमेल सेवा शुरू की गई। वर्ष 1766 में यानी 252 साल पहले भारत में डाक व्यवस्था शुरू हुई। 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने कोलकाता में पहला डाकघर स्थापित किया था। 1852 में भारत में पहली बार चिट्ठी पर डाक टिकट लगाने की शुरूआत हुई थी। 01 अक्टूबर, 1854 को भारत में महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला डाक टिकट जारी हुआ था। 1852 में भारत में पहली बार चिट्ठी पर डाक टिकट लगाने की शुरूआत हुई थी। 01 अक्टूबर, 1854 को भारत में महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला डाक टिकट जारी हुआ था। 1947 में जारी किए गए पहले स्वतंत्रता टिकटों की संख्या तीन थी। उन्होंने अशोक स्तंभ, (भारत का राष्ट्रीय प्रतीक), भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और एक विमान का चित्रण किया। तब से भारत ने 3000 से अधिक डाक टिकट जारी किये हैं।

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Monday

02 अक्टूबर

1. **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस–** 'अहिंसा परमो धर्म।' भारत के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले महात्मा गाँधी के जन्म दिवस को पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। 15 जून, 2007 ई. को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। महात्मा गाँधी ने जीवन भर लोगों को शांति और भाईचारा स्थापित करने का संदेश प्रदान किया।
   - **क्या करें?** बच्चों को नागरिक शास्त्र से जोड़कर इस दिवस की चर्चा करें।
2. **महात्मा गाँधी का जन्म–** बच्चों के बापू कहे जाने वाले महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 ई. को गुजरात में पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ था। उनके माता का नाम पुतलीबाई और पिता का नाम करमचंद गाँधी था। उनके बचपन का नाम मोहनदास था। वकालत की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका से रंगभेद के खिलाफ संघर्ष प्रारंभ किया। भारत लौटने पर भारत के स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। जीवन भर अंग्रेजों के खिलाफ मानव अधिकारों को दिलाने की आंदोलन किया। सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह उनके प्रमुख हथियार थे।
   - **संदर्भ:** बच्चों को इस अवसर पर 'बापू की पाती', 'एक था मोहन', 'गाँधी कथा वाचन' अथवा गाँधी से सम्बन्धित जीवनी के बारे में बतायें। वर्ग तीन, कोंपल भाग 1, पाठ 12 से जोड़ें।
3. **लाल बहादुर शास्त्री का जन्म–** भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 ई. को मुगलसराय (उत्तरप्रदेश) में हुआ था। वे 9 जून, 1964 ई. से 11 जनवरी, 1966 ई. को अपनी मृत्यु तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। वे अपने उदार विचार, विनम्रता, निष्ठा एवं क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे। 'जय जवान जय किसान' का प्रसिद्ध नारा उन्होंने ही भारत–पाक युद्ध (1965) के दौरान दिया था।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को शास्त्री जी के जीवनी के बारे में बतायें।
4. **बेगूसराय जिला स्थापना दिवस–** 2 अक्टूबर, 1972 ई. को मुंगेर से अलग होकर एक जिला के रूप में बेगूसराय अस्तित्व में आया था। बेगूसराय जिले में 5 अनुमण्डल तथा 18 प्रखण्ड हैं। बरौनी में ताप बिजली घर, तेलशोधक कारखाना, उर्वरक कारखाना, पेट्रो रसायन कारखाना, शिशु आहार कारखाना आदि प्रमुख हैं।
5. **गोपालगंज जिला स्थापना दिवस–** गोपालगंज जिले की स्थापना 2 अक्टूबर, 1973 ई. को सारण जिले से किया गया था।

Madhu priya

ToB बालमन क्विज

अक्टूबर 2023

1

बिहार के किस शहर को ग्रीन सिटी भी कहते है ?

A. भागलपुर B. सासाराम

C. भभुआ D. दरभंगा

2

बुलंद दरवाजा कहां है?

A. ग्वालियर B. बीकानेर

C. फतेहपुर सीकरी D. उदयपुर

3

निम्न में क्या प्रकाश संश्लेषण में आवश्यक नही है ?

A. क्लोरोफिल B. सूर्य प्रकाश

C. जल D. ऑक्सीजन

4

सांची स्तूप किस राज्य में स्थित है ?

A.बिहार B.मध्य प्रदेश

C. उत्तर प्रदेश D. अरुणाचल प्रदेश

5

विश्व की सबसे लंबी नदी है -

A.नील B. अमेजन

C. गंगा D. इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर: 1.C ,2.C ,3.D,4.B,5.A

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

बिहार सरकार

निर्देश

1. सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय के बच्चों में जोखिमों की पहचान एवं उससे बचाव करने की क्षमता, ज्ञान तथा आत्मविश्वास विकसित किया जाए ताकि वे किसी प्रकार के आपदा प्रसुत्तर के लिए तैयार हो सकें।
2. बाल प्रेरकों द्वारा अन्य सभी बच्चों को एक साथ ज्ञान एवं कौशल स्थानांतरित करने का तरीका अन्य शिक्षण पद्धति से ज्यादा उपयुक्त होता है। अतः बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
3. प्रत्येक विद्यालय के फोकल शिक्षक सभी बाल प्रेरकों के साथ शनिवार के एक दिन पूर्व वार्षिक–सारणी में निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योजना तैयार करेंगे।
4. सुरक्षित शनिवार की गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार के भोजना सत्र तथा अंतिम सत्र में अनिवार्य रूप से आयोजित करेंगे।
5. जिस माह पाँचवा शनिवार पड़े, उस स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधी विषयों के बारे में जानकारी दिया जाए एवं अभ्यास कराये।
6. जुलाई के प्रथम पखवारे (1–15 जुलाई) में विद्यालय सुरक्षा पखवारा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाली सभी आपदाओं (सुखाड़, सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जायेंगे।
7. स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
8. विद्यालय में लंबी छुट्टी होने की स्थिति में बच्चों को गृहकार्य के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एवं उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाए ।

unicef | for every child

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

माह: अक्टूबर

प्रथम शनिवार	दशहरा / छठ / मुहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव (प्राथमिक उपचार सी. पी. आर. सहित)
द्वितीय शनिवार	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार	दिवाली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
चतुर्थ शनिवार	सड़क दुर्घटना से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

Designed by Rakesh kumar

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

PICTURE OF THE MONTH

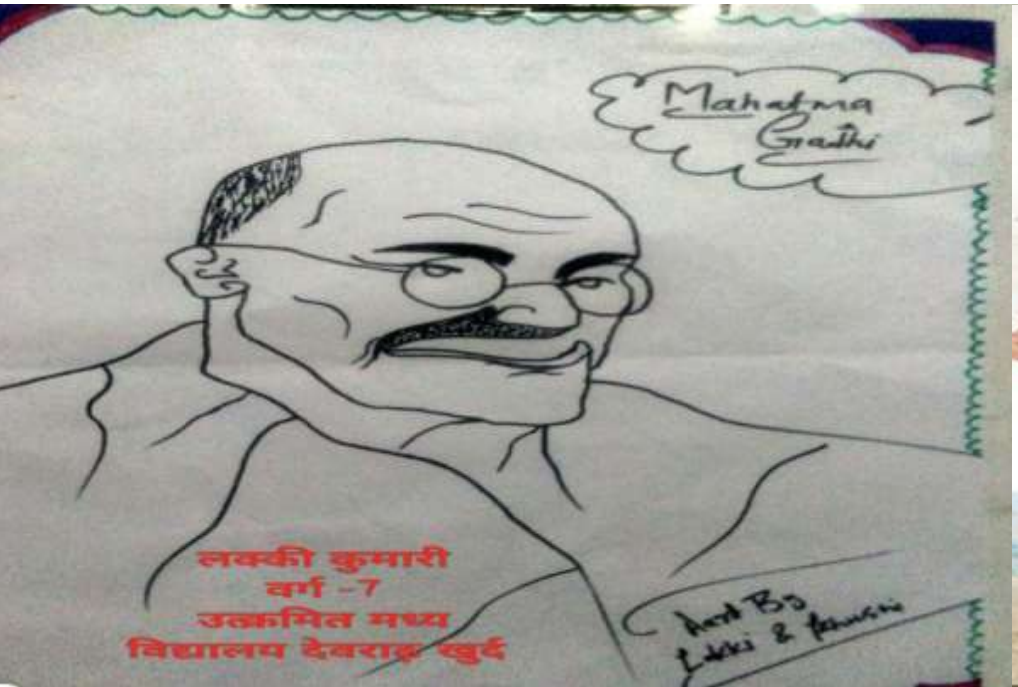

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य

कैमूर वन्यजीव अभयारण्य बिहार के कैमूर और रोहतास जिले में स्थित है ।यह राज्य का सबसे बड़ा अभयारण्य है और कैमूर रेंज के पठारी परिदृश्य में 1,504.96 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह वर्ष 1979 में स्थापित किया गया था। यह दुर्लभ और लुप्तप्राय वनस्पतियों और जीवों का घर है । रोहतासगढ़ किला और शेरगढ़ किला भी इन वनों में स्थित हैं। इसमें कई मेगालिथ, प्रागैतिहासिक युग की रॉक पेंटिंग और एक बीते युग से पत्थर के शिलालेख भी हैं।

यह वन्यजीव अभ्यारण्य बिहार के दक्षिण-पश्चिमी भाग में कैमूर रेंज के रोहतास पठार और कैमूर पठार में स्थित है । घाटी के हिस्सों में कई झरने हैं जिनमें से करकट झरना , मांझर कुंड , धुआ कुंड , तुतला भवानी झरना, गीता घाट झरना, कशिश झरना और तेलहर कुंड सबसे अच्छे हैं । अनुपम झील , करमचट बांध और कोहिरा बांध सहित कई बांध और झीलें हैं ।

कैमूर वन्यजीव अभयारण्य में पाए जाने वाले मुख्य जानवर बंगाल टाइगर , भारतीय तेंदुए , भारतीय सूअर , भारतीय पैंगोलिन , सुस्त भालू , सांभर हिरण , भारतीय मंटजैक , चार सींग वाले मृग , चीतल , नीलगाय और सरीसृप, कीड़े और तितलियों की विभिन्न प्रजातियां हैं। यह निवासी पक्षियों की 70 से अधिक प्रजातियों का घर है, जो साल भर यहां रहते हैं।

कैमूर वन्यजीव अभयारण्य को प्रकृति ने कई मौसमी धाराओं से नवाजा है। मानसून के मौसम में जंगल हरियाली से जगमगा उठता है। यहां का दृश्य काफ़ी मनोहारी है। घूमने का सबसे अच्छा समय मानसून और सर्दियों के मौसम के दौरान है।

महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री जयंती समारोह

न्यू प्राथमिक विद्यालय तरहनी

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय

गांधी थे पुतलीबाई के संतान,
उनको जानता है सारा जहान।
सादगी है उनकी पहचान,
कर गए काम महान।।

गुजरात के पोरबंदर में जन्मे,
पुतलीबाई के लाल महान।
बचपन का नाम था
मोहनदास करमचंद गांधी,
बदलाव के रूप में ला दिए आंधी।।

गांधीजी के तीन बंदर,
बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो ,बुरा मत बोलो।
यह सूक्ति भी है आज महान,
इनका अनुकरण करे सारा जहान।।

सत्य अहिंसा के पुजारी,
सभी जन के थे प्यारे।
भारत छोड़ो आंदोलन चलाए,
अंग्रेजों को मार भगाए।।

सत्य अहिंसा का मार्ग अपनाए,
पूरी दुनिया को संदेश दिलवाए।
सारी जिंदगी सादगी में गुजारी,
पूरे राष्ट्र के हो गए पुजारी।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय
भटवलिया
नुआंव कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

The Change Makers

02 अक्टूबर 2023

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

(जन्म- 02 अक्टूबर 1869)

लाल बहादुर शास्त्री

(जन्म- 02 अक्टूबर 1904)

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस

कि आप सभी को हार्दिक शुभकामनाए...

WWW.teachersofbihar.org

सिकेंद्र कुमार सुमन (कैमूर)

Teachers of Bihar

The change makers

पुण्यतिथि विशेष 12 अक्टूबर

राकेश कुमार

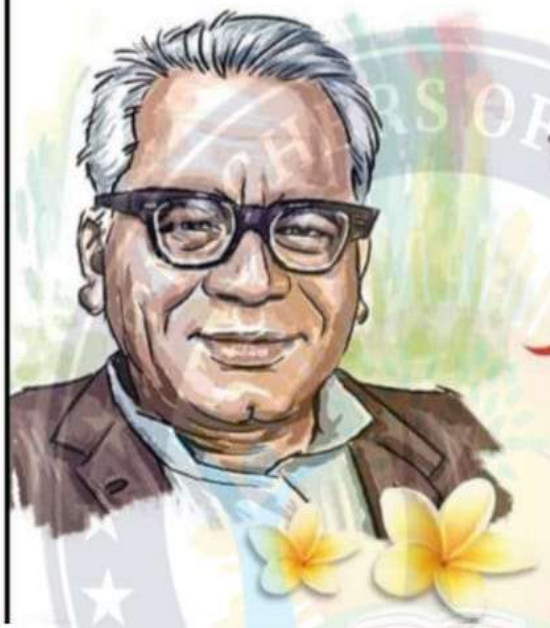

स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर चिंतक व
समाजवादी मार्गदर्शक

डॉ. राम मनोहर लोहिया जी

की पुण्यतिथि पर भावभीनी

श्रद्धांजलि

राम मनोहर लोहिया *Ram Manohar Lohia*, जन्म- 23 मार्च, 1910, क़स्बा अकबरपुर, फैजाबाद; मृत्यु- 12 अक्टूबर, 1967, नई दिल्ली) भारत के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिन्तक तथा समाजवादी राजनेता थे। राम मनोहर लोहिया को भारत एक अजेय योद्धा और महान् विचारक के रूप में देखता है। देश की राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ऐसे कई नेता हुए जिन्होंने अपने दम पर शासन का रुख़ बदल दिया जिनमें एक थे राममनोहर लोहिया।

www.teachersofbihar.org

🌹 उत्क्रमित मध्य विद्यालय भैसौंला में बाला पेंटिंग 🌹

ToB बालमन

अक्टूबर 2023

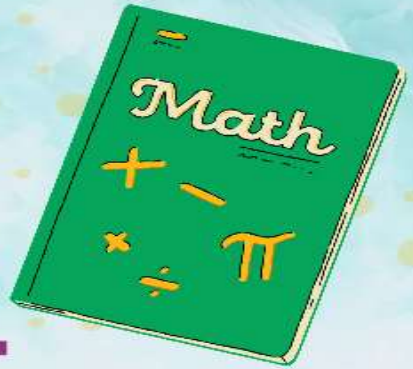

रोचक गणित

फूटी कौड़ी	से	कौड़ी बना
कौड़ी	से	दमड़ी बना
दमड़ी	से	धेला बना
धेला	से	पाई बना
पाई	से	पैसा बना
पैसा	से	आना बना
आना	से	रुपया बना

3 फूटी कौड़ी	=	एक कौड़ी
10 कौड़ी	=	एक दमड़ी
2 दमड़ी	=	एक धेला
एक धेला	=	डेढ़ पाई
3 पाई	=	1पैसा (पुराना)
4पैसा	=	एक आना
16आना	=	एक रुपया

256 दमड़ी = 192 पाई = 128 धेला

128 धेला = 64पैसा(पुराना) = 16आना

16 आना = एक रुपया

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

महात्मा गांधी

नाम - शिवेन्द्र कर्ण
कक्षा - 09 क्रमांक - 04
कवि - शिवेन्द्र कर्ण

देखो गाँधी जयंती आई,
सबके चेहरे पर मुस्कान लाई।

भारत के लिए बापू जीते - मरते थे।
आजादी के लिए संघर्ष किया करते थे।

जो कहते थे वो करके दिखाते थे;
बापू तो कहलाते थे।

वे सबके मान को भाते थे,
हमेशा रघुपति राघव गाते थे।

हमें सत्य अहिंसा का पाठ पढ़ाया;
सारे जग में भारत का मान बढ़ाया।

बापू जैसा काम करेंगे,
सारे विश्व में देश का नाम करेंगे।

धन्यवाद।

शिवेन्द्र कर्ण
वर्ग 9
UHS रांटी
मधुबनी(बिहार)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

अक्टूबर 2023

माटी को नमन वीरों का वन्दन,
कण-कण मिट्टी लगता चंदन,
धरती अपनी स्वर्ग से प्यारी,
करते हम इसका अभिनंदन।

नमन हमारा इस धरती को,
देव तरसते जिस धरती को,
जन्म लिया है जहां पे हमने,
सजा के रखें माँ भारती को।

सबसे ममता विश्व से प्रीति,
भारत की बस यही है रीति,
मानव जन्म सफल होगा तब,
विश्व शांति की होगी रीति।

स्वराज पथ पर ध्यान रहे,
बस इतना अभिमान रहे,
रहूँ कहीं मैं भारत में पर,
इसकी रक्षा का ज्ञान रहे।

स्वाधीनता के पावन पथ पर,
भारतवासी रहें,,,, अग्रसर,
पुण्य-धरा यह देवालय है,
खुशबू फैलाएँ,, ज्यों केसर।

मिल जाऊं मैं इस धरती में,
मिट जाऊं मैं इस मिट्टी में।
मातृभूमि की रक्षा खातिर,
मिल जाऊँ मैं इस सृष्टि में।

देश जाति का गौरव अपना,
हम भारत के,भारत अपना,
चांद को छूने की अभिलाषा,
हर भारतवासी का सपना।

मंगलमय हो ,,मंगल इच्छा,
हर जन्म में,,, रहे प्रतीक्षा,
तेरी धरा पर जन्म लूं माते,
'दीप' को दे दो प्यारी भिक्षा।

दिलीप गुप्ता ' दीप '
(प्रधानाध्यापक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
खीरी,भगवानपुर
(कैमूर)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

अक्टूबर 2023

बेटी

विश्व के हर कोने में देखो,
क्या नहीं करती है बेटी।

उत्तर से दक्षिण तक देखो,
पूरब से पश्चिम तक देखो,
त्रेता से सतयुग तक देखो,
द्वापर से कलयुग तक देखो,
क्या नहीं करती है बेटी।

उस प्रतिभा पाटिल से पूछो,
उस किरण बेदी से पूछो,
उस लता मंगेशकर से पूछो,
उस सरोजिनी नायडू से पूछो,
क्या नहीं करती है बेटी।

उस सानिया मिर्जा से पूछो,
उस पी.टी.उषा से पूछो,
उस साइना नेहवाल से पूछो,
खेल जगत में जाकर पूछो,
क्या नहीं करती है बेटी।

उस जुन्को तबेइ से पूछो ,
उस कल्पना चावला से पूछो,
उस सुनिता विलियम्स से पूछो,
चन्द्रलोक में विचरण करके पूछो,
क्या नहीं करती है बेटी।

संगीता कुमारी (शिक्षिका)
UMS अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

सितम्बर 2023

Crossword Puzzle

धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

जेवलिन थ्रो

नीरज चोपड़ा वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नॉमिनेट: 11 दिसंबर को होगा विनर का ऐलान; एशियन गेम्स में जीते थे गोल्ड मेडल

नीरज चोपड़ा के नेशनल अवॉर्ड्स

फोटो मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार की है

2018	2021	2022
अर्जुन अवॉर्ड	मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार	पद्म श्री अवॉर्ड

वर्ल्ड कप 2023

वर्ल्ड कप 2023 के टॉप-5 बैटर्स

मोहम्मद रिजवान		248 रन	मैच 3 | SR 93.58 100/50- 1/1
डेवोन कॉन्वे		229 रन	मैच 3 | SR 104.09 100/50- 1/0
रोहित शर्मा		217 रन	मैच 3 | SR 141.83 100/50- 1/1
क्विंटन डी कॉक		209 रन	मैच 2 | SR 110.00 100/50- 2/0
कुसल मैंडिस		207 रन	मैच 3 | SR 156.81 100/50- 1/1

TEACHERS OF BIHAR

अक्टूबर 2023

बालमन कहानी

मोहन का घमंड

जनभावना मध्य विद्यालय लालगढ़ का एक आदर्श स्कूल था। यहां नामांकन का मतलब था दसवीं में अच्छे अंकों से पास होने की गारंटी।
इस कारण सभी लोग इस स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ाना अपना सौभाग्य समझते थे।

इसी स्कूल में मोहन नाम का एक विधार्थी भी पढ़ता था। वह था तो पढ़ने में अव्वल परन्तु घमंडी था एक नम्बर का। इसलिए लोग उसकी पढ़ाई वाले गुणों को देखने की कोशिश नहीं करते थे।

आज स्कूल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को आकर अपने अपने प्रदर्शन दिखलाने की बारी थी। इस कारण रिहर्सल का काम करने के लिए प्रथम पाली में सबों को बुलाया गया था। सभी बच्चे आकर अपने अपने रोल का रिहर्सल कर, फाइनल सन्ध्या को होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए चल दिए।

प्राचार्य को ज्ञात हुआ कि मोहन अपने रोल के रिहर्सल के लिए नहीं आया है। स्कूल के चपरासी से मोहन को खबर भेजी गई कि आकर वह भी अपना रिहर्सल कर ले ताकि सन्ध्या के प्रोग्राम में कोई दिक्कत न हो। प्राचार्य की बात को भी मोहन नहीं माना और कहलवाया कि वह सन्ध्या के प्रोग्राम में सफलता पूर्वक सब मिले रोल को पूर्ण रूप से कर लेगा। प्राचार्य तो मोहन के गुणों से अवगत थे ही इस कारण बात आई और गई। होकर रह गई।

सन्ध्या के समय सभी प्रतिभागियों के द्वारा अपना अपना जौहर दिखलाने की बारी आई। सब अपने रोल को पूरी जिम्मेदारी से निभाने में सफल रहे। मुख्य अतिथि स्कूल इन्स्पेक्टर प्रतिभागियों के प्रदर्शन से खुश दिखाई दे रहे थे। बच्चों में भी अद्भुत खुशी दिख रही थी।

अन्तिम भूमिका मोहन की जिसमें उसे मृदंग बजाने की भूमिका मिली हुई थी। वह इसमें पारंगत भी था परन्तु अपने बडबोले पन के कारण व वह एक सप्ताह से इसका रियाज नहीं कर रहा था। इस कारण स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव पर वह सफल नहीं हो सका। स्कूल के संगीत शिक्षक डॉ. नवीन उपाध्याय ने भी बहुत कोशिश की परन्तु वह सफल नहीं हो सका। आज प्राचार्य की स्कूल में किर-किरी हो गई थी। आज संगीत शिक्षक डॉ. नवीन उपाध्याय सर भी काफी दुखी हो रहे थे। मोहन ने अपने घमंड से स्कूल का नाम खराब कर दिया था।

पुरस्कार वितरण के बाद अपने भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम काफी अच्छा रहा। सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शुभम को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार दिया गया।

अंत में अपने समापन भाषण में मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों को सफलता के लिए लगातार प्रयासरत रहने की जरूरत है। इसी लगातार किए गए श्रम से ही सफलता मिलती है। सभी के सामने शुभम की उन्होंने खूब प्रशंसा की। अन्त में मोहन की बात आई तो उन्होंने मोहन का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चों को अतिआत्मविश्वास से बचने की जरूरत है। यह बहुत खराब चीज होती है। यह घमंड को ही जन्म देता है। इसलिए रियाज लगातार करने की जरूरत है। उन्होंने मोहन को सीखने की बात भी कह गए। आज मोहन को सबों के सामने मुख्य अतिथि से अपमानित होते देख प्राचार्य भी दुखी थे। मोहन शर्मिंदा होकर अपने सिर को भी उठाने में शर्म महसूस कर रहा था।

लेखक परिचय

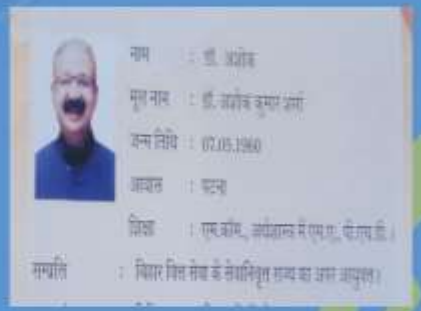

विज्ञान कॉर्नर

धातु एवं अधातु कक्षा 10

धातुओं का निष्कर्षण

पृथ्वी की भूपर्पटी धातुओं का मुख्य स्रोत है।

समुद्री जल में भी सोडियम क्लोराइड, मैग्नेशियम क्लोराइड आदि जैसे कुछ घुलनशील लवण उपस्थित रहते हैं।

पृथ्वी की भूपर्पटी में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले तत्वों या योगिकों को खनिज कहते हैं।

पृथ्वी की भूपर्पटी ऐलुमिनियम का प्रमुख स्रोत है।

वैसे खनिज जिससे धातुओं का निष्कर्षण करना लाभकारी हो उसे अयस्क कहा जाता है।

सभी अयस्क खनिज होते हैं परंतु सभी खनिज अयस्क नही होते हैं।

अयस्क से धातुओं का निष्कर्षण

अयस्क से धातुओं का निष्कर्षण निम्नलिखित चरणों मे सम्पन्न होता है।

1. अयस्कों की खुदाई (Mining Of Ore)
2. अयस्कों को तोड़कर पिसाई करना (Grinding & Crushing)
3. अयस्कों का सांद्रण
4. सांद्रित अयस्क का धातु के ऑक्साइड में परिवर्तन
5. धातु के ऑक्साइड से धातु का निष्कर्षण
6. धातु का शोधन

Rajesh Kumar Singh

सरौनी कला
मधेपुरा

Ekta Kumari
Darbhanga
दरभं
गा

ToB बालमन बिहार

Sarwajet prajapti
अररिया

Khushi Raj
पूर्णिया

कटिहार
दिव्यांशी श्री, वर्ग- 6,मध्य विद्यालय मिरचाईबाड़ी
कटिहार

TEACHERS OF BIHAR

31 OCTOBER

सरदार वल्लभ भाई पटेल जी
के जन्मदिन की हार्दिक
शुभकामनाएं

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 17.10.2023

स्पीच डिले

बच्चे के देर से बोलने का कारण कई बार ऑटिज्म की स्थिति हो सकती है। इस स्थिति से जूझ रहे बच्चों को बोलने, समझने और अपनी भाषा को समझाने में दिक्कत होती है। ऑटिज्म डिसऑर्डर से शिकार बच्चों को एक बेहतर देखभाल की जरूरत होती है, ताकि उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमता को बेहतर किया जा सके।

एजुकेशनल न्यूज बालमंच

शिक्षा ही सर्वोपरि

पटना, रविवार
15.10.2023

08

बालमंच

12

7 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित राज्यों के प्रतिभागियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे बिहार के 7 शिक्षक

॥ बालमन, कुदरा, कैमूर ॥

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 7991143281 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org